MONTHLY SYLLABUS

SESSION-2016-17

CLASS-XI

SUBJECT-SOCIOLOGY

माह	विषयवस्तु
जुलाई 2016	**इकाई–1, अध्याय–1 : समाजशास्त्र एवं समाज** समाजशास्त्र का अर्थ समाज का परिचय, समाजशास्त्रीय कल्पनाएँ; व्यक्तिगत समस्याएँ एवं जनहित के मुद्दे, समाजों में बहुलताएँ एवं असमानताएँ, बौद्धिक विचार, भौतिक मुद्दे, यूरोप में समाजशास्त्र का आरम्भ, भारत में समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध : समाजशास्त्र व अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, मनोविज्ञान तथा मानव विज्ञान का सम्बन्ध **अध्याय–2 : समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली, संकल्पनाएँ एवं उनका उपयोग** सामाजिक समूह एवं समाज, समूहों के प्रकार, प्राथमिक तथा द्वितीयक समूह, समुदाय एवं समाज अथवा संघ, अंतः समूह एवं बाह्य समूह, संदर्भ समूह, समवाचक समूह, सामाजिक स्तरीकरण, जाति, वर्ग प्रस्थिति और भूमिका सामाजिक नियन्त्रण, सामाजिक विचलन **अध्याय–3 : सामाजिक संस्थाओं को समझना** संस्था का अर्थ औपचारिक एवं अनौपचारिक संस्थाएँ परिवार : परिवार के स्वरूप परिवार किस तरह लिंगवादी है? विवाह–संस्था–अर्थ, विवाह के रूप, विावह के नियम, अन्तर्विवाह और बहिर्विवाह, नातेदारी–अर्थ नातेदारी के प्रकार, रक्तमूलक, विवाह मूलक।

अगस्त 2016	**इकाई–1, अध्याय–3** कार्य, कार्य व आर्थिक जीवन, कार्य के आधुनिक रूप और श्रम विभाजन, कार्य रूपांतरण, राजनीति, सत्ता, राज्यविहीन समाज, राज्य की संकल्पना, धर्म–अर्थ, विशेषताएँ, शिक्षा। **अध्याय–4 : संस्कृति तथा समाजीकरण** संस्कृति का अर्थ, परिभाषा संस्कृति के प्रकार, संस्कृति के आयाम : संज्ञानात्मक, मानकीय भौतिक, संस्कृति तथा पहचान, नृजातीयता, सांस्कृतिक परिवर्तन, समाजीकरण : समाजीकरण के साधन : परिवार, समकक्ष समूह विद्यालय, जनमाध्यम, अन्य समाजीकरण अभिकरण। **प्रोजेक्ट कार्य**
सितम्बर 2016	**अध्याय–1 : जिम्मेदार रिश्ते की ओर** **इकाई–2 : समाज में सामाजक संरचना, स्तरीकरण और सामाजिक प्रक्रियाएँ** सामाजिक संरचना, सामाजिक स्तरीकरण, वर्ग, वर्ग, लिंग, सहयोग तथा श्रम विभाजन प्रतियोगिता अवधारणा एवं व्यवहार के रूप में। संघर्ष तथा सहयोग। **S.A. I**
अक्टूबर 2016	**इकाई–2, अध्याय–2 : ग्रामीण तथा नगरीय समाज में सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक व्यवस्था** सामाजिक परिवर्तन कारक व स्त्रोत, सोशल डार्विनिज्म, पर्यावरण, तकनीकी तथा अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था, प्रभाव, सत्ता तथा कानून, संघर्ष, अपराध तथा हिंसा, गाँव, कस्बों और नगरों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन, ग्रामीण क्षेत्रों में

	सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन, नगरीय क्षेत्रों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन। **शरदकालीन अवकाश**
नवम्बर 2016	**इकाई-2, अध्याय-3 : पर्यावरण और समाज** सामाजिक पारिस्थितिकी, सामाजिक पर्यावरण, पर्यावरण तथा समाज के सम्बन्ध, पर्यावरण की प्रमुख समस्याएँ और जोखिम-संसाधनों की क्षीणता प्रदूषण - वायु, ध्वनि, जल प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, जैविक, रूपांतरित खेती, पर्यावरण की समस्याएँ, पर्यावरण असंतुलन, पर्यावरण संकट, पर्यावरणीय प्रक्रियाएँ, पर्यावरण संकट से उबरने के उपाय **अध्याय-4 : पाश्चात्य समाजशास्त्री-एक परिचय** समाजशास्त्र का संदर्भ ज्ञानोदय, फ्रांसिसी क्रान्ति, औद्योगिक क्रान्ति, कार्ल-मार्क्स - वर्ग संघर्ष का सिद्धन्त, अलगाव का सिद्धान्त, एमिल दुर्खाइम - सामाजिक तथ्य, श्रम विभाजन, सामूहिक चेतना मैक्स वैबर - सामाजिक क्रिया, सत्ता व सत्ता के प्रारूप, नौकरशाही वर्ग
दिसम्बर 2016	**इकाई-1, अध्याय-5 : समाजशास्त्र - अनुसंधान पद्धतियाँ** शोध पद्धतियों का अभिप्राय, निरीक्षण क्षेत्रीय कार्य पद्धति सर्वेक्षण, चरण व प्रकार, उद्देश्य, सीमाएँ, साक्षात्कार उद्देश्य प्रकार महत्व। **Yuva Session :** सभी को जीने का अधिकार - कन्या भ्रूण हत्या **इकाई-2, अध्याय-5 : भारतीय समाजशास्त्री** भारत के समाजशास्त्र का प्रारम्भ, अनन्तकृष्ण अय्यर, शरतचन्द्र राय, गोविन्द सदाशिव घूर्ये : जाति, प्रजाति, जनजातियाँ, जाति व उपजाति। **शीतकालीन अवकाश**

जनवरी 2017	**इकाई-2, अध्याय-5 : ध्रुजटि प्रसाद मुखर्जी** - परम्परा व परिवर्तन अक्षम रमनलाल देसाई - राज्य व कल्याणकारी राज्य एम.एन. श्रीनिवास - भारतीय गाँव
फरवरी 2017	**पुनरावृत्ति : इकाई-2 :** अध्याय-1, 2, 3, 4, 5 इकाई-1 **:** अध्याय-1, 2, 3, 4
	S.A. II